जालंधर, सोमवार 29 अप्रैल 2024

JALANDHAR, LUDHIANA, AMRITSAR, CHANDIGARH

वंदे भारत 24

भारत के मन की बात

+91 97814 00247

सुविचार

जहां हम नहीं होते हैं वहां हमारे गुण व अवगुण हमारा प्रतिनिधित्व करते हैं

@vandebharat24 | vandebharat24news | @vandebharat24news | www.vandebharat24.com

लवली से मिलने पहुंचे कांग्रेस के पूर्व MLA आसिफ मोहम्मद के साथ धक्का-मुक्की

समर्थकों ने सोसायटी से निकाला

जालंधर (हर्ष शर्मा) : दिल्ली में ओखला से पूर्व विधायक आसिफ मोहम्मद के साथ बदसलूकी का मामला सामने आया है. आसिफ मोहम्मद कांग्रेस नेता अरविंदर सिंह लवली से मिलने के लिए पहुंचे थे. उन्होंने लवली और सुभाष चोपड़ा की बीजेपी से मिलीभगत के आरोप लगाए. जिसके बाद वहां मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनसे जमकर बदसलूकी की. यहां तक कुछ कार्यकर्ता उन्हें धक्का देते हुए भी नजर आए और अंत में सोसायटी से बाहर निकाल दिया.

आसिफ का कहना है कि वो भी आम आदमी पार्टी से गठबंधन के पक्ष में नहीं थे, लेकिन जब आलाकमान ने फैसला ले लिए तो हम उसके साथ ही. आलाकमान को लवली, सुभाष चोपड़ा और राजकुमार चौहान के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए. जिसके बाद लवली के घर में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जमकर आसिफ से बदसलूकी की, मारपीट की और धक्के मारकर सोसाइटी से बाहर निकाल दिया. लवली के इस्तीफे पर कांग्रेस के पूर्व विधायक आसिफ मोहम्मद ने कहा है कि पार्टी में मतभेद हो सकते हैं. अगल लवली निराश थे, इस्तीफा देना चाहते थे तो चुपचाप पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को अपना इस्तीफा दे देते. उन्होंने कहा कि जिस तरह से लवली ने खुलेआम मीडिया में जो पत्र जारी किया है उससे एक तरह से सीधे तौर पर बीजेपी को फायदा हो रहा है. मैं इतना कह सकता हूं कि अगले एक दो दिन में हर्ष मल्होत्रा की जगह लवली को उम्मीदवार घोषित कर दिया जाएगा.

कांग्रेस ने असंतोष का हल निकालने का दिया निर्देश

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संगठन महासचिव वेणुगोपाल को निर्देश दिया है कि वो लवली से बात करके असंतोष को समझें और मसले का हल निकालें. वहीं, कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कांग्रेस अध्यक्ष और कांग्रेस का कार्यकर्ता होकर उनमें (अरविंदर सिंह लवली) एक व्यक्तिगत पीड़ा है. उनकी पीड़ा है कि दिल्ली में हम अपनी पुरानी साख को लाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं.

AAP बोली यह पार्टी का आंतरिक मामला

वहीं, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली के इस्तीफे पर क नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमारी गठबंधन सहयोगी है और उनकी पार्टी का यह आंतरिक मामला है, मुझे लगता है कि वह ही इस बारे में बोलें तो ज्यादा बेहतर होगा.

कन्हैया कुमार और उदित राज के टिकट को लेकर थे नाराज

दरअसल, बताया जा रहा है कि अरविंदर सिंह लवली पार्टी की ओर से लिए हालिया फैसलों से नाराज हैं. जिसमें कन्हैया कुमार को उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से और उत्तर पश्चिम दिल्ली सुरक्षित सीट से उदित राज को टिकट दिए जाने से नाराज चल रहे थे. दिल्ली की राजनीतिक गलियारे में इस बात की भी चर्चा थी कि लवली खुद चुनाव लड़ने के मूड में थे.

इराकी संसद ने समलैंगिक संबंध अपराध घोषित, 15 साल की होगी जेल

जालंधर(दीपांशु चोपड़ा) : इराकी संसद ने समलैंगिक संबंधों को अपराध मानने वाला एक विधेयक पारित किया है, जिसमें 15 साल तक की जेल की सजा का प्रावधान है।

देश में धार्मिक मूल्यों को बनाए रखने में मदद करने की घोषणा करने वाले इन नए कानूनों का समर्थकों ने नारेबाजी कर स्वागत किया।

बाकी शेष पृष्ठ 2 पर

जर्मनी भागा पूर्व प्रधानमंत्री का पोता

1000 से भी ज्यादा शारीरिक शोषण करते porn क्लिप्स हुई थी वायरल

जालंधर (हिमांशु) : जहा पीएम अपने देश कि महिला सुरक्षा को बेहतर करने की गारंटी देते है, वहीं इस बार पूर्व प्रधानमंत्री के पोते को लेकर काफी शर्मनाक और हैवानियत भरी खबर सामने आई है। दरअसल, हसन सीट से सांसद पूर्व पीएम के पोते रेवन्ना के करीब एक हजार से भी ज्यादा पोर्न क्लिपिंग वायरल हुई हैं। सूत्रों का कहना है कि कई वीडियो में बलपूर्वक हर उम्र की महिलाओं का शारीरिक शोषण करते रिकॉर्डिंग हैं। बताया जाता है करीब 200 से अधिक ऐसी भयानक रिकॉर्डिंग हैं जिसने कर्नाटक में तहलका मचा दिया है। घर में काम करने वाली मेड से लेकर हाई प्रोफाइल महिलाएं हैं जिनका जबरन यौन शोषण करते रिकॉर्डिंग है। सूत्रों की माने तो रिकॉर्डिंग देखकर लगता है रेवन्ना खुद ही शायद ये सब रिकॉर्ड करता था।

वहीं अब प्रज्वल रेवन्ना के जर्मनी भागने की पुष्टि हो गई है। जानकारी के मुताबिक रेवन्ना कल तड़के 3.35 बजे लुफ्थांसा एयरलाइंस से बेंगलुरु से फ्रैंकफर्ट के लिए निकल गया था। ये सीधी उड़ान थी और बताया जा रहा है जर्मनी होते हुए यूरोप के किसी अन्य शहर में छिपे हैं।

फिलहाल कर्नाटक पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम जांच में जुट गई है लेकिन उसके पहले रेवान्ना विदेश भागने में कामयाब हो गया है। SIT उसके प्रत्यर्पण की तैयारी कर रही है ताकि भारत वापिस लाकर इस मामले की जांच पूरी की जा सके। फिलहाल SIT जांच शुरू हो चुकी है और देखने वाली बात यह होगी की आखिर कबतक SIT रेवन्ना को पकड़ पाती है ।

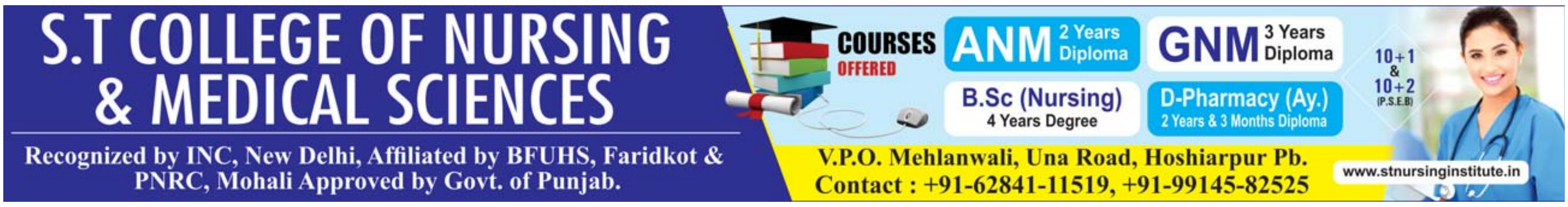

लोकसभा चुनाव के बीच दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने दिया इस्तीफा, AAP से गठबंधन और कन्हैया कुमार का किया जिक्र

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : लोकसभा चुनाव से पहले दिल्ली में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। लवली ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को इस्तीफा सौंपा, जिसमें अपनी नाराजगी दर्ज की।

उन्होंने पत्र में लिखा है कि दिल्ली कांग्रेस इकाई उस पार्टी के साथ गठबंधन के खिलाफ थी जो कांग्रेस के खिलाफ झूठे, मनगढ़ंत और दुर्भावनापूर्ण भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के एकमात्र आधार पर बनी थी। इसके बावजूद, पार्टी ने दिल्ली में क्क के साथ गठबंधन करने का निर्णय लिया।

अरविंदर लवली ने इस्तीफे में लिखा है कि वह कई कारणों से खुद को अपंग महसूस करते हैं और दिल्ली पार्टी इकाई के अध्यक्ष के रूप में बने रहने में अपने आप को असमर्थ समझते हैं। पत्र में उन्होंने लिखा, '31 अगस्त 2023 को मुझे दिल्ली कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जिसके लिए मैं पार्टी का आभार व्यक्त करता हूं। मैंने पिछले 7-8 महीनों में दिल्ली में पार्टी को फिर से स्थापित करने का भरपूर प्रयास किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि पार्टी फिर से उसी स्थिति में पहुंच जाए, जैसी कभी थी। लवली ने आगे लिखा, 'अगस्त 2023 में जब मुझे कार्यभार सौंपा गया था तब पार्टी इकाई किस स्थिति में थी, यह सब जानते हैं। तबसे मैंने कई पार्टी को पुनर्जीवित करने और अपने स्थानीय कार्यकर्ताओं को फिर से सक्रिय करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैंने सैकड़ों स्थानीय पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं को फिर से पार्टी में शामिल किया, जो या तो पार्टी छोड़ चुके थे या निष्क्रिय हो गए थे जबकि कई साल से पार्टी ने शहर में कोई बड़ा कार्यक्रम/रैली नहीं की थी। मैंने यह भी सुनिश्चित किया कि रैली और कार्यक्रमों के जरिए शहर की सभी 7 संसदीय सीटें कवर हो जाएं क्योंकि आम चुनावों के लिए बहुत कम समय बचा था.'

अरविंदर लवली ने इस्तीफे के कई कारण बताए

प्रदेश अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने का कारण बताते हुए अरविंदर सिंह लवली ने लिखा, 'दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा लिए गए सभी सर्वसम्मत निर्णयों को AICC महासचिव (दिल्ली प्रभारी) ने एकतरफा वीटो कर दिया। AICC महासचिव ने मुझे DPCC में कोई वरिष्ठ नियुक्ति करने की अनुमति नहीं दी। मीडिया के रूप में एक अनुभवी नेता की नियुक्ति के लिए मेरे अनुरोध को सिरे से खारिज कर दिया गया।

कन्हैया कुमार को लेकर भी नाराज अरविंदर सिंह लवली

इसके अलावा, कन्हैया कुमार का जिक्र करते हुए अरविंदर सिंह लवली ने लिखा, 'उत्तर-पूर्वी दिल्ली से उम्मीदवार (कन्हैया कुमार) पार्टी लाइन और मान्यताओं का खंडन करते हुए दिल्ली के सीएम की झूठी प्रशंसा कर रहे हैं और मीडिया में बयान दे रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के नागरिकों की पीड़ा को न देखते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बिजली क्षेत्र में किए गए कथित कार्यों को लेकर आप के झूठे प्रचार का समर्थन किया.'

गुजरात के समंदर में कोस्टगार्ड का बड़ा ऑपरेशन, 14 पाकिस्तानी गिरफ्तार; 600 करोड़ की ड्रग्स बरामद

जालंधर (हर्ष शर्मा) : भारतीय कोस्ट गार्ड ने खुफिया जानकारी के आधार पर समुद्र में एक पाकिस्तानी नाव से 14 चालक दल के लोगों को हिरासत में लिया है।

बोट की तलाशी के दौरान 600 करोड़ रुपए का लगभग 86 किलोग्राम ड्रग्स बरामद किया गया है।

यह ऑपरेशन अंतर-एजेंसी समन्वय के जरिए हुआ है, जिसमें भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी), आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक-दूसरे का सहयोग किया है। ऑपरेशन को प्रभावित करने के लिए भारतीय तटरक्षक बल के जहाजों और विमानों को मिशन पर तैनात किया गया था।

आईसीजी जहाज राजरतन, जिस पर एनसीबी और एटीएस अधिकारी सवार थे, उन्होंने संदिग्ध नाव की पहचान होते ही कोस्ट गार्ड को अलर्ट किया। जिसके बाद नशीली ड्रग्स से लदी बोट को कोस्ट गार्ड ने अपनी गिरफ्त में ले लिया। पाक नाव को उसके चालक दल सहित पकड़ लिया गया है और आगे की जांच के लिए पोरबंदर लाया जा रहा है। आईसीजी और एटीएस ने संयुक्त प्रयास से पिछले तीन सालों में 11 ऐसे सफल ऑपरेशन को अंजाम दिया है।

पृष्ठ 1 का शेष

इराकी संसद ने समलैंगिक संबंध अपराध घोषित, 15 साल की होगी जेल

बीबीसी की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। रिपोर्ट में कहा गया है कि समलैंगिकता या वेश्यावृत्ति को बढ़ावा देने वाले, लिंग परिवर्तन सर्जरी करने वाले डॉक्टर, 'जानबूझकर' महिलाओं की तरह व्यवहार करने वाले पुरुष और 'पत्नी की अदला-बदली' में शामिल लोगों को भी नए कानून के तहत जेल की सजा का सामना करना पड़ेगा। नए कानून के तहत ट्रांसजेंडर लोगों को एक से तीन साल तक जेल भी भेजा जा सकता है। प्रमुख इराकी राजनीतिक दलों ने हाल के वर्षों में समलैंगिक (एलजीबीटी) अधिकारों की आलोचना तेज कर दी थी और इसके विरोध प्रदर्शनों में इंद्रधनुषी झंडे जलाए गए थे। अधिकार समूहों का कहना है कि नया कानून एलजीबीटी लोगों के खिलाफ उल्लंघन के इराक के रिकॉर्ड पर एक और काला धब्बा है। एलजीबीटी लोगों को लंबे समय से इराक में अधिकारियों द्वारा निशाना बनाया गया है, अन्य नैतिकता कानूनों का इस्तेमाल पहले उन्हें दंडित करने के लिए किया गया था।

आवश्यकता
पंजाब के हर शहर व कस्बे से
वंदे भारत 24 के लिए पत्रकारों की जरूरत है। चाहवान सम्पर्क कर सकते है।
मोब. 97814-00247, 97804-00247

कांग्रेस के मेनिफेस्टो पर PM मोदी का हमला

बोले- 10 दिन तक मीडिया की जांच का इंतजार...

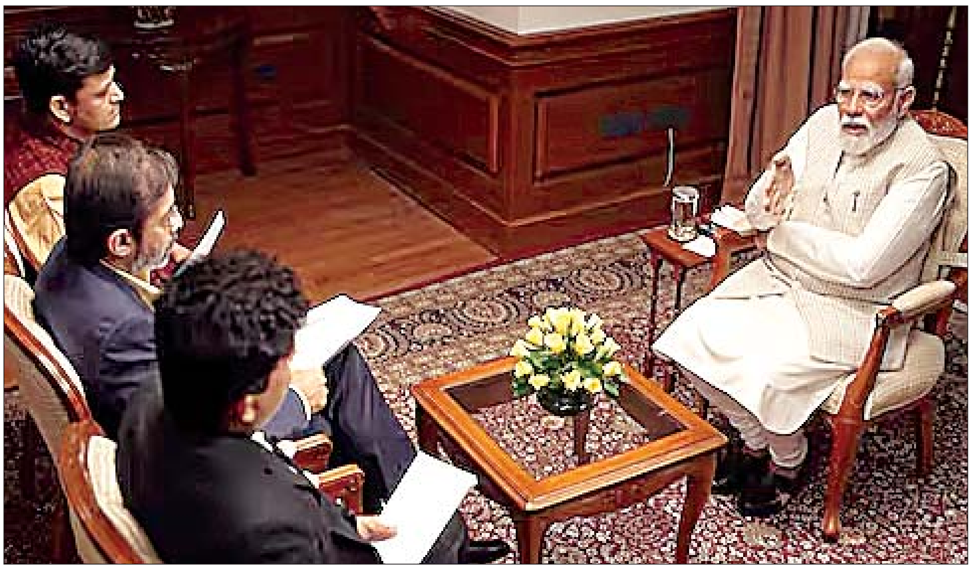

जालंधर (काजल विज) : पीएम नरेंद्र मोदी ने नेटवर्क 18 के एडिटर इन चीफ और मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल जोशी को दिए गए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में कांग्रेस के मेनिफेस्टो पर जोरदार हमला बोला है। पेश है इंटरव्यू का संपादित अंश।

राहुल जोशी. राजस्थान में एक रैली में आप ने कांग्रेस के घोषणापत्र पर सीधा हमला बोला. आपने यहां तक कहा कि उनके पास एक योजना है, जिसके जरिये वे धन बांटना चाहते हैं. वे पता लगाना चाहते हैं कि किसके पास कितनी बचत है, किसके पास कितना पैसा है, किसके पास कितना सोना, चांदी है और वे इसे मुसलमानों और घुसपैठियों के बीच बांटना चाहते हैं. क्या यह धमकी इतनी वास्तविक है? क्या आप इसे ऐसे देखते हैं?

पीएम नरेंद्र मोदी. जहां तक कांग्रेस के घोषणापत्र की बात है तो कोई मुझे बताए कि क्या चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के घोषणापत्र महज दिखावा होते हैं? हर राजनीतिक दल के घोषणा पत्र को पढ़ना मीडिया का काम है. मैं इस पर मीडिया की टिप्पणी का इंतजार कर रहा था.' मैंने पहले दिन ही घोषणापत्र पर टिप्पणी कर दी थी. घोषणापत्र देखने के बाद मुझे लगता है कि इस पर मुस्लिम लीग की छाप है. मुझे लगा कि मीडिया चौंक जाएगा. लेकिन वे वही कहते रहे जो कांग्रेस ने पेश किया. फिर मैंने सोचा कि ये इकोसिस्टम का बहुत बड़ा घोटाला लगता है और मुझे सच्चाई सामने लानी होगी. मैंने 10 दिन तक इंतजार किया कि घोषणापत्र की बुराइयों को कोई न कोई सामने लाएगा क्योंकि अगर इसे निष्पक्ष तरीके से सामने लाया जाता है तो यह अच्छा है. आखिरकार, मुझे इन सच्चाइयों को सामने लाने के लिए मजबूर होना पड़ा.

सवाल. 2006 का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें मनमोहन सिंह जी ने कहा है कि संसाधनों पर पहला हक गरीब मुसलमानों का है. ये बात उन्होंने साफ तौर पर कही है. आपने मेनिफेस्टो में यह भी बताया है कि वह ओबीसी आरक्षण का एक हिस्सा लेकर मुसलमानों को देना चाहेंगे और 2004-2014 के बीच उन्होंने चार-पांच बार ऐसा करने की कोशिश की है.

पीएम नरेंद्र मोदी. आपने बहुत दिलचस्प सवाल पूछा है. जवाब लंबा होगा लेकिन देश की खातिर मुझे आपको बताना ही पड़ेगा. आप कांग्रेस का इतिहास देखिये. यह मांग 1990 के दशक से उठती रही है. देश में समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग है, जिसे लगता था कि उनके लिए कुछ किया जाना चाहिए, इसके लिए विरोध प्रदर्शन भी हुए. 1990 से पहले कांग्रेस ने इसका पूरा विरोध किया और इसे दबा दिया. फिर उन्होंने जो भी आयोग बनाये, जो भी समितियां बनाईं, उनकी रिपोर्ट भी ओबीसी के पक्ष में आने लगी. वे इन विचारों को नकारते, अस्वीकार करते और दबाते रहे. लेकिन 90 के दशक के बाद वोट बैंक की राजनीति के कारण उन्हें लगा कि कुछ करना चाहिए.

तो, उन्होंने पहला पाप क्या किया था? 90 के दशक में उन्होंने कर्नाटक में मुसलमानों को ओबीसी के रूप में वर्गीकृत करने का फैसला लिया. इसलिए वे पहले इस विचार को दबा रहे थे और अपवित्र कर रहे थे, लेकिन राजनीतिक लाभ के लिए उन्होंने मुसलमानों को ओबीसी का लेबल दे दिया. कांग्रेस केंद्र से बेदखल हो गई. यह योजना 2004 तक रुकी रही. 2004 में जब कांग्रेस वापस आई तो उसने तुरंत आंध्र प्रदेश में मुसलमानों को ओबीसी कोटा देने का फैसला किया. कोर्ट में मामला उलझ गया. भारत की संसद ने संविधान की मूल भावना के अनुरूप ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया था. अब, उन्होंने इस 27 प्रतिशत कोटा को हथियाने की कोशिश की.

2006 में राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक हुई थी, जहां सिंह के बयान पर भारी हंगामा हुआ था. वे दो साल तक चुप रहे. 2009 के घोषना पत्र में उन्होंने फिर इसका जिक्र किया. 2011 में, इस पर एक कैबिनेट नोट है जहां उन्होंने मुसलमानों को ओबीसी हिस्सा देने का फैसला किया. उन्होंने यूपी चुनाव में भी यह कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ. 2012 में आंध्र हाईकोर्ट ने इसे रद्द कर दिया. वे सुप्रीम कोर्ट गए, वहां भी उन्हें कोई राहत नहीं मिली. 2014 के घोषणापत्र में भी धर्म के आधार पर आरक्षण की बात कही गई थी. जब भारत का संविधान बना तो कोई भी आरएसएस या बीजेपी के लोग मौजूद नहीं थे. वहां पंडित नेहरू और बाबा साहब अंबेडकर जैसे महापुरुष मौजूद थे. जिन्होंने लंबे चिंतन के बाद यह फैसला लिया कि भारत जैसे देश में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता.

2024 के चुनावों के लिए उनका घोषणापत्र देखें. इस पर मुस्लिम लीग की छाप है. जिस तरह से वे संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं, जिस तरह से वे अंबेडकर का अपमान कर रहे हैं, एससी और एसटी के आरक्षण पर खतरा है. क्या मुझे देश की जनता को इसकी जानकारी नहीं देनी चाहिए? मेरा मानना है कि इस देश को शिक्षित करना, सही बातें बताना उन सभी विद्वान लोगों की जिम्मेदारी है, जो ज्ञान के धनी हैं, जो निष्पक्ष हैं.

जालंधर की मशहूर बिट्टू परदेसी रेस्टोरेंट की भला चार्ट में से निकली छिपकली, ग्राहक ने किया हंगामा

जालंधर (नितिका) : Jalandhar के जोहल मार्केट में मशहूर Bittu Pardesi नाम के Restaurent पर शनिवार देर रात को हंगामा हुआ। हंगामा करने वाले ग्राहक ने आरोप लगाया के बिट्टू परदेसी रेस्टोरेंट से हुई भला चाट लेकर घर गए थे। पर चाट के साथ जो मीठी चटनी मिली, जब जाकर उन्होंने उसे चाट के ऊपर परोसा तो उसमें से मरी हुई छिपकली निकली।

ग्राहक Vishant Malik ने बताया कि उनके पास फिलहाल द्वश्नश्स्र सप्लाईज विभाग के अधिकारी का नंबर नहीं है, नहीं तो वह उसे पर शिकायत करते। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वह छिपकली वाली भल्ला चाट लेकर वापस bittu pardesi रेस्टोरेंट पहुंचे और इसकी शिकायत की। तो मौके पर मार्केट के प्रधान पहुंच गए और उन्होंने दुकान बंद करवाकर सभी कर्मचारियों को वहां से भगा दिया।उन्होंने फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारियों से मांग की कि वो इस मामले में कड़ी कार्रवाई करें और रेस्टोरेंट वालों के खिलाफ जांच करवाएं।

Sonu Sood का WhatsApp दोबारा एक्टिव, 61 घंटों के भीतर आए 9,483 मैसेज

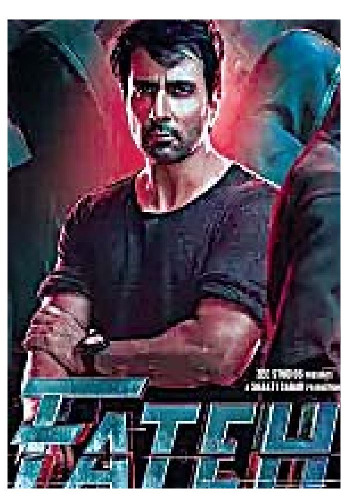

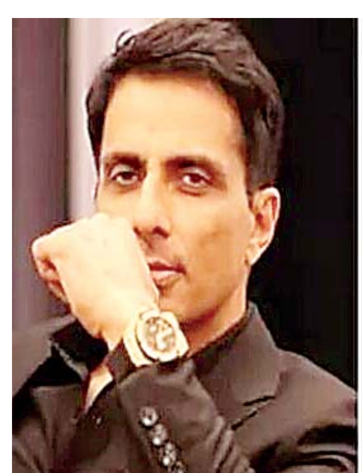

जालंधर (दीपांशु चोपड़ा) : एक्टर सोनू सूद इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'फतेह' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उनका व्हाट्सएप अकाउंट पिछले 61 घंटे से बंद था, जो अब चालू हो गया है। इस दौरान उनके पास 9,483 मैसेज आए थे।

इससे पहले एक्टर ने अपने व्हाट्सएप अकाउंट को लगभग 60 घंटे तक ब्लॉक किए जाने के बाद अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर मैसेजिंग प्लेटफॉर्म से अपील की थी। रविवार को सोनू ने एक बार फिर अपने 27.7 मिलियन फॉलोअर्स को अपने अकाउंट की स्थिति के बारे में अपडेट किया।

अभिनेता ने शेयर किया कि उनके पास 61 घंटों के भीतर 9,000 से अधिक मैसेज आए। उन्होंने लिखा, आखिरकार मेरा व्हाट्सएप वापस आ गया। 61 घंटों में सिर्फ 9,483 मैसेज आए, धन्यवाद।

इससे पहले एक्टर ने एक्स की ओर रुख किया और लिखा, मेरा नंबर व्हाट्सएप पर काम नहीं करता है।

मुझे कई बार इस समस्या का सामना करना पड़ा है। मुझे लगता है कि अब आप लोगों के लिए अपनी सेवाओं को अपग्रेड करने का समय आ गया है। एक्टर जल्द ही 'फतेह' में दिखाई देंगे।

फिल्म में जैकलीन फर्नांडीज भी मुख्य भूमिका में हैं और यह सोनू के निर्देशन की पहली फिल्म है। शक्ति सागर प्रोडक्शंस और जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित, यह फिल्म साइबर अपराध की जटिलताओं और चुनौतियों के इर्द-गिर्द घूमती है।

फिल्म में हॉलीवुड स्टंट एक्सपर्ट ली व्हिटेकर के कुछ एक्शन सीक्वेंस भी होंगे। 'फतेह' इस साल बड़े पर्दे पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

खडूर साहिब लोकसभा सीट से अकाली दल ने उतारे उम्मीदवार, सुखबीर बादल ने इन पर जताया भरोसा

जालंधर(जसवीर) : संसदीय क्षेत्र खडूर साहिब से आम आदमी पार्टी और भाजपा द्वारा प्रत्याशियों की घोषणा के बावजूद शिअद द्वारा फैसला लेने में लगातार देरी की जा रही थी। कारण कोई और नहीं बल्कि खडूर साहिब क्षेत्र से संबंधित अकाली दल का वोट बैंक खिसकने का डर था, क्योंकि वारिस पंजाब दे जत्थेबंदी के मुखी अमृतपाल सिंह द्वारा आजाद तौर पर खडूर साहिब से चुनाव लड़ने का फैसला लिया गया।

लंबी चर्चा के बाद पूर्व विधायक विरसा पर जताया भरोसा

जिसके चलते शिअद पर दबाव था कि अमृतपाल सिंह को समर्थन दिया जाए। ऐसे में शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल द्वारा लंबी विचार चर्चा की गई। नतीजा यह सामने आया कि रविवार को शिअद के प्रवक्ता व पूर्व विधायक विरसा सिंह वल्टोहा के नाम पर सहमति बनी। वल्टोहा के नाम की घोषणा के बाद अकाली दल में जहां खुशी का माहौल है वहीं पार्टी में उम्मीद जगी है कि अब अकाली दल का वोट बैंक टूटेगा नहीं।

वल्टोहा की बादल परिवार के साथ बेहद गहरी नजदीकियां

खेती बाड़ी से संबंधित सोहन सिंह के घर पैदा हुए विरसा सिंह वल्टोहा की आयु साठ वर्ष है। वर्ष 1997 में गठबंधन की सरकार के दौरान तत्कालीन मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल द्वारा विरसा सिंह वल्टोहा को पंजाब सर्विस सेलेक्शन बोर्ड का सदस्य नियुक्त किया गया था। इसके बाद वल्टोहा की बादल परिवार के साथ नजदीकियां लगातार बढती रहीं।

2007 में विस हलका वल्टोहा से विरसा सिंह वल्टोहा को शिअद की ओर से टिकट दी गई। इस चुनाव में वल्टोहा ने कांग्रेस के तीन बार मंत्री रहे गुरचेत सिंह भुल्लर को 11350 मतों से पराजित किया अकाली दल की सरकार में सीपीएस बने। नई हलकाबंदी के दौरान विस हलका वल्टोहा की जगह विस हलका खेमकरण बन गया।

2012 के चुनाव में शिअद द्वारा वल्टोहा को दूसरी बार शिअद की ओर से चुनाव में उतारा गया तो पूर्व मंत्री गुरचेत सिंह भुल्लर को 13102 मतों से पराजित किया। वल्टोहा दूसरी बार सीपीएस बने। तत्कालीन उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल के साथ वल्टोहा के अच्छे संबंध रहे। जिस दौरान 2017 के चुनाव मौके वल्टोहा को तीसरी बार शिअद की ओर से चुनाव मैदान में उतारा गया।

वल्टोहा 19602 मतों से कांग्रेस के सुखपाल सिंह भुल्लर से हारे

परंतु वल्टोहा 19602 मतों से कांग्रेस के सुखपाल सिंह भुल्लर से हार गए। विरसा सिंह वल्टोहा की शिअद में लगातार बढ़त कायम रही जिसके चलते 2022 के विस चुनाव मौके कैरों परिवार ने खेमकरण हलके की सीट पर दावा ठोंकते चुनाव प्रचार कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल के दामाद आदेश

प्रताप सिंह कैरों जो तीन बार गठबंधन की सरकार में मंत्री रह चुके थे ने खेमकरण हलके में अपने परिवार के सदस्य को चुनाव लड़वाने की घोषणा कर दी व प्रचार भी शुरू कर दिया।

इस दौरान विरसा सिंह वल्टोहा ने खेमकरण में रैली करवाइ, जिसमें सुखबीर सिंह बादल ने पहुंचकर विरसा सिंह वल्टोहा को पार्टी प्रत्याशी घोषित करते हुए कैरों परिवार के दावे को खारिज कर दिया। चुनाव नतीजे में आम आदमी पार्टी की ओर से उतरे सरवन सिंह धुन के हाथों विरसा वल्टोहा 11882 मतों से चुनाव हार गए।

2011 से पार्टी के प्रवक्ता व कोर कमेटी के सदस्य की निभा रहे भूमिका

वल्टोहा शिरोमणि अकाली दल तरनतारन के दो बार अध्यक्ष रहे व 2011 से पार्टी के प्रवक्ता व कोर कमेटी के सदस्य की भूमिका भी निभा रहे हैं। पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की गुड बुक में आने वाले विरसा सिंह वल्टोहा तेज तर्रार नेता माने जाते हैं।

संसदीय चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी द्वारा कैबिनेट मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को चुनाव मैदान में उतारा गया, जबकि भाजपा द्वारा मनजीत सिंह मियांविंड को चुनाव मैदान में उतारा गया।

इस दौरान अकाली दल अपने प्रत्याशी की घोषणा से पहले लगातार तीन सर्वे करवाकर अच्छे प्रत्याशी को मैदान में उतारना चाहता था। हालांकि बिक्रम सिंह मजीठिया को चुनाव मैदान में उतारने की चर्चा हुई, परंतु मजीठिया ने लोकसभा चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया। एसजीसी की पूर्व अध्यक्ष बीबी जागीर कौर ने भी लोस चुनाव से हाथ खींच लिए।

अमृतपाल सिंह खडूर साहिब से इंडीपेंडेंट उम्मीदवार के तौर पर उतरा

बाद में पूर्व मंत्री सुचचा सिंह छोटेपुर के नाम पर भी अकाली दल द्वारा सर्वे करवाया गया, परंतु बाहरी हलके का टैग सुच्चा सिंह छोटेपुर के नाम पर लग रहा था। ऐसे में सुच्चा सिंह के नाम पर सहमति नहीं बन पाई। वारिस पंजाब जत्थेबंदी के मुखी अमृतपाल सिंह द्वारा डिब्रूगढ़ जेल से ही लोकसभा हलका खडूर साहिब से आजाद प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला लिया गया तो शिअद सकते में आ गया।

अकाली दल के एक गुट द्वारा सुखबीर सिंह बादल पर यह दबाव बनाने का प्रयास किया गया कि खडूर साहिब संसदीय सीट से शिअद प्रत्याशी उतारने की बजाय अमृतपाल सिंह को समर्थन दें, परंतु अकाली दल की कोर कमेटी ने बेठकें कीं।

जिसमें यह बात सामने आई कि यदि शिअद ने अपना पार्टी खडूर साहिब से नहीं उतारा तो अकाली दल का वोट बैंक बंट सकता है। ऐसे में सुखबीर सिंह बादल ने विरसा सिंह वल्टोहा के नाम पर मोहर लगाते हुए उन्हें प्रत्याशी बना दिया।

विरसा सिंह वल्टोहा को प्रत्याशी बनाए जाने पर पूर्व सीपीएस हरमीत सिंह संधू, पूर्व विधायक रविंदर सिंह ब्रह्मपुरा, शिअद नेता दलबीर सिंह जहांगीर, रमनदीप सिंह भरोवाल, कुलदीप सिंह औलख, कुलदीप सिंह लाहौरिया ,भूपिंदर सिंह खेड़ा, मनोज कुमार टिम्मा, गुरविंदर सिंह रटौल, सर्बजीत सिंह लाली, यादविंदर सिंह जादू, सर्बजीत सिंह भुल्लर, कंवलजीत सिंह मुरादपुरा, जसबीर सिंह मिंटू, गौरवजीत सिंह वल्टोहा, रंजीत सिंह नारली, गुरमान सिंह सिधवा ने शिअद अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल व पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया का धन्यवाद किया है।

BJP को बड़ा झटका

सुशील रिंकू का सबसे करीबी Congress में शामिल

जालंधर(संदीप मान) : लोकसभा चुनावों के चलते राजनीति पार्टियों में दलबदल के चलते बीजेपी को जालंधर से बड़ा झटका लगा है। दरअसल, बीजेपी उम्मीदवार सुशील कुमार रिंकू के सबसे करीबी और दाहिना हाथ माने जाने वाले अश्विनी जंगरील बड़ी संख्या में परिवार को साख लेकर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए हैं।

इस दौरान जालंधर टिकट से चुनाव लड़ रहे पूर्व सी.एम. चरणजीत चन्नी ने उनका पार्टी में स्वागत किया। इस मौके पर कांग्रेस में शामिल अश्विनी जंगराल ने दावा किया है कि वह लोकसभा चुनावों में चरणजीत चन्नी को वेस्ट से भारी मतों से जीत दिलाएंगे। कांग्रेस में शामिल हुए अश्विनी जंगराल ने कहा कि दलबदलुओ से जालंधर की जनता बहुत परेशान है। वह 15 सालों से सुशील कुमार उनके काफी करीबी रहे और चुनाव में वह रिंकू का लगभग सारा काम देखते रहे हैं। लेकिन सुशील रिंकू के बार-बार पार्टिया बदलने के चलते वह उनका साथ छोड़ रहे है और आज कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं।

UP के उन्नाव में भयानक हादसा, बस को चीरते हुए निकल गया ट्रक, 7 लोगों की मौत, कई घायल

जालंधर(हर्ष शर्मा) : यूपी के उन्नाव में आमने-सामने की टक्कर के बाद ट्रक ने बस को एक साइड से चीर दिया। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है जबकि 25 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें से कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया है। डॉक्टरों ने सभी को प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर किया है।

हादसा सफीपुर कोतवाली क्षेत्र में जमल्दीपुर के पास हुआ है। पुलिस ने हालांकि अभी छह के मरने की पुष्टि की है। तीन लोगों की पहचान हुई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। जानकारी के अनुसार बांगरमऊ की ओर से उन्नाव आ रही निजी बस सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के जमल्दीपुर गांव के पास पहुंची थी। इसी दरम्यान सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सीधी टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद बस को एक तरफ से चीरते हुए ट्रक आगे निकल गया। हादसा होते ही चीख पुकार मच गई। घायल लोग बसों से बाहर तक लटके दिखाई दिए। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन घायलों को सीएचसी सफीपुर पहुंचाया।